विचार

दोस्ती और विरोध दोनों अस्थायी होते हैं, लेकिन इज्जत हमेशा के लिए रहती है। आइए समाज में ऐसे संस्कार विकसित करें जहाँ हर कोई, परिस्थितियों से परे, एक-दूसरे के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करे।

- राज सुखदेव

सब की खबर

साप्ताहिक

जनगाथा टाइम्स

■ वर्ष: 05 ■ सोमवार 24 नवम्बर से 30 नवम्बर 2025 ■ पृष्ठ: 08 ■ मोबाइल: 98140-07163 ■ email:jangathatimes@gmail.com ■ www.jangathatimes.com ■ RNI O.PUNMUL/2017/75353

'चंडीगढ़ पंजाब का था, है और रहेगा': हरपाल चीमा की चेतावनी- सड़क से संसद और आखिरी सांस तक लड़ेंगे लड़ाई

चडीगढ़। केंद्र सरकार की तरफ से चंडीगढ़ को पंजाब राज्यपाल के संविधानिक दायरे से बाहर लाने की तैयारी की जा रही है। इस फैसले के विरोध में रविवार को पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने आनंदपुर साहिब में प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। चीमा आनंदपुर साहिब में चल रहे गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस समारोह में पहुंचे हैं। आनंदपुर साहिब में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने भाजपा पर चंडीगढ़ को पंजाब से छीनने की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगाया। 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ पंजाब की भूमि पर बसे गांवों को उजाड़कर बनाया गया था, इसलिए यह हमेशा पंजाब का हिस्सा रहेगा। चीमा ने कहा भाजपा चंडीगढ़ को अपने कब्जे में लेना चाहती है। चंडीगढ़ पंजाब का था, है और

रहेगा। आम आदमी पार्टी और पंजाब सरकार इस लड़ाई को आखिरी सांस तक लड़ेगी। हम किसी को चंडीगढ़ को छूने नहीं देंगे।

उन्होंने कहा कि कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि हरियाणा अपनी राजधानी स्वयं बनाएगा और चंडीगढ़ पंजाब के पास रहेगा, लेकिन भाजपा इसके विपरीत कदम उठाने की कोशिश कर रही है। भाजपा पर निशाना साधते हुए चीमा बोले- आज हम अपने गुरु साहिब के 350वें शहीदी दिवस पर एकजुटता का संदेश दे रहे हैं। हमारे गुरु साहिब ने देश को एकजुट रखने के लिए बलिदान दिया। लेकिन आज भाजपा देश को तोड़ने की कोशिश कर रही है, फेडरल संरचना को खत्म करना चाहती है। पंजाब को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि यहां की जनता भाजपा को सत्ता में आने नहीं दे रही।

उन्होंने प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व पर चुनी हुई सरकारों को गिराने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया और कहा कि यह लोकतंत्र के खिलाफ है। चीमा ने चेतावनी दी है कि हम इस लड़ाई को सड़क से संसद तक लड़ेंगे। भाजपा और उनकी सात पीढ़ियां पंजाब के जवाब को याद रखेंगी। हम चंडीगढ़ को जाने नहीं देंगे। पंजाब में चंडीगढ़ मुद्दे को लेकर राजनीति एक बार फिर गरमाने लगी है, और चीमा के इस बयान के बाद इसे और तेज होने की उम्मीद है।

स्मृति मंधाना की शादी टली: पिता को हार्ट अटैक आने के बाद परिवार ने लिया फैसला; म्यूजिक कंपोजर पलाश मुच्छल से होनी थी शादी

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी और उप-कप्तान स्मृति मंधाना के घर बजने वाली शहनाइयां फिलहाल थम गई हैं। मंधाना के फैंस के लिए एक चिंताजनक खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि स्मृति मंधाना के पिता की तबीयत अचानक बिगड़ गई है, जिसके चलते उनकी शादी को टाल दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्मृति मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना को सुबह अचानक दिल का दौरा पड़ा है। पिता की नाजुक हालत को देखते हुए मंधाना और उनके परिवार ने शादी के कार्यक्रम को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का कठिन फैसला लिया है। परिवार का कहना है कि इस वक्त उनकी प्राथमिकता पिता का स्वास्थ्य है। फिलहाल उनका इलाज चल रहा है और पूरा परिवार उनकी देखभाल में लगा हुआ है।

पलाश मुच्छल संग लेने वाली थीं सात फेरे

गौरतलब है कि स्मृति मंधाना मशहूर म्यूजिक कंपोजर और डायरेक्टर पलाश मुच्छल के साथ परिणय सूत्र में बंधने वाली थीं। दोनों का रिश्ता काफी समय से सुर्खियों में है और फैंस को इस शादी का बेसब्री से इंतजार था। दोनों की जोड़ी को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जाता है। शादी की तैयारियां जोरों पर थीं, लेकिन अचानक आई इस मेडिकल इमरजेंसी ने खुशियों के माहौल को चिंता में बदल दिया है।

पिता के ठीक होने के बाद होगी नई तारीख की घोषणा

फिलहाल शादी की नई तारीख को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। सूत्रों का कहना है कि पिता के पूरी तरह स्वस्थ होने और अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद ही परिवार शादी की नई तारीख पर विचार करेगा। क्रिकेट जगत और फैंस सोशल मीडिया के जरिए स्मृति मंधाना के पिता के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

न्यूज विंडो

पाकिस्तान के मंसूबों पर फिरा पानी: अमृतसर बॉर्डर पर बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई, तीन ड्रोन किए निष्क्रिय

अमृतसर

पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए अवैध तस्करी और घुसपैठ की कोशिशें लगातार जारी हैं। इसी कड़ी में बीएसएफ की सतर्कता ने अमृतसर सीमा पर तीन अलग-अलग घटनाओं में तीन ड्रोन को पकड़ा। सभी ड्रोन तकनीकी प्रतिरोधी प्रणालियों और सटीक खुफिया जानकारी की मदद से निष्क्रिय किए गए। बीएसएफ के मुताबिक बरामद ड्रोन में दो डीजेआई मेविक 3 क्लासिक और एक दगी मेविक 4 पीआरओ मॉडल शामिल हैं। ये ड्रोन रोरनवाला खुर्द, धनोए खुर्द और आईसीपी अटारी परिसर से बरामद किए गए। बीएसएफ इंटेलिजेंस विंग के इनपुट पर जवानों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इसे नाकाम किया। बीएसएफ अधिकारियों का कहना है कि अत्याधुनिक तकनीकी उपकरणों, पैनी निगरानी और मजबूत खुफिया नेटवर्क के कारण एक बार फिर पाकिस्तानी तस्करों के मंसूबों पर पानी फिर गया। सीमा सुरक्षा बल ने कहा है कि सीमा पर ड्रोन घुसपैठ के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति जारी रहेगी।

बांके बिहारी मंदिर में सैंकड़ों साल पुरानी परंपरा पर रोक

कोर्ट समिति ने देहरी पूजन रोका, सेवायतों में भड़का विद्रोह

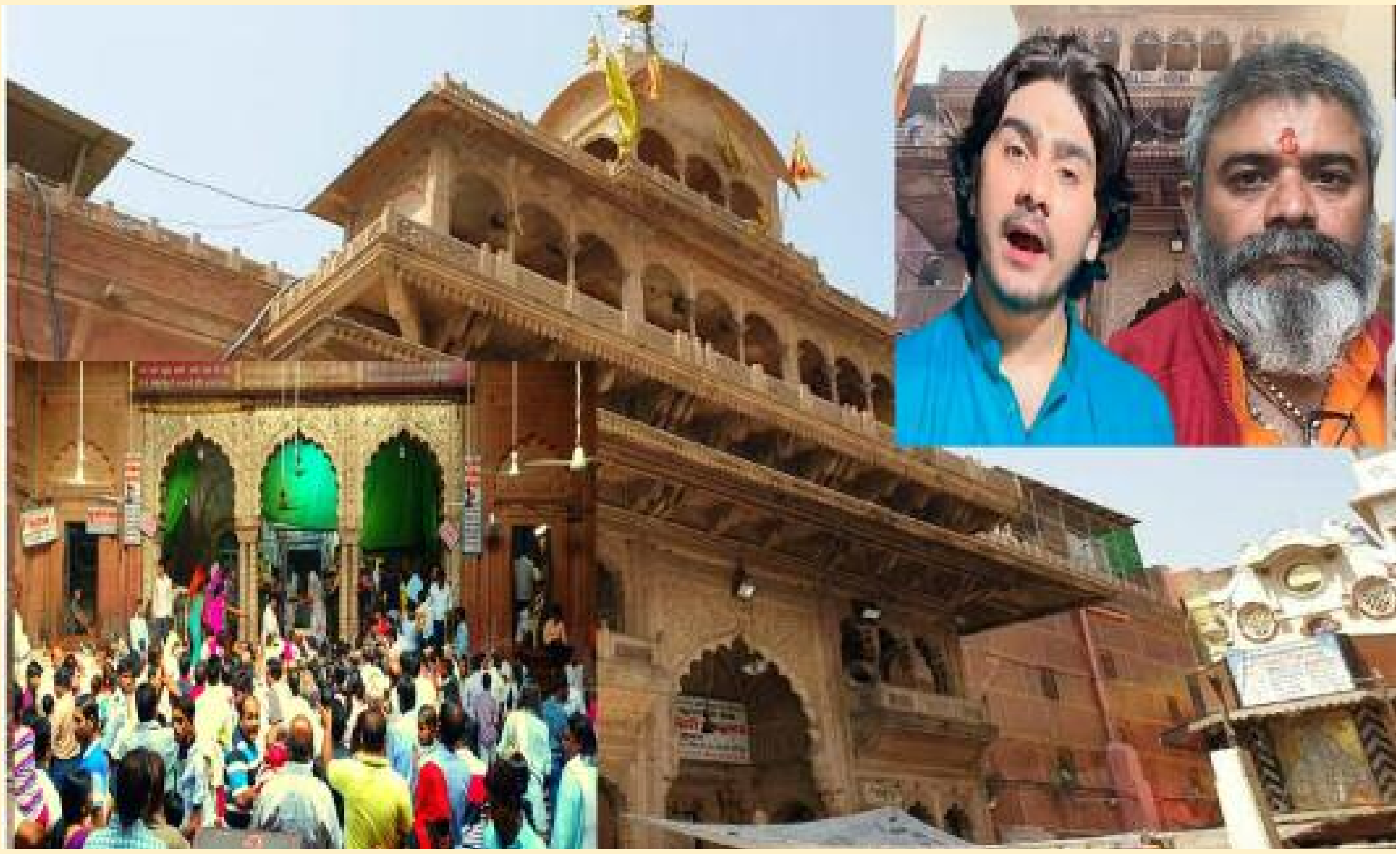

जनगाथा टाइम्स /नई दिल्ली।
ब्यूरो

विश्व प्रसिद्ध बांकेबिहारी मंदिर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित उच्चाधिकार प्रबंधन समिति की कथित गुंडागर्दी कारण फिर सुर्खियों में है। इस बार इस समिति ने अपनी हदें पार करते हुए सैंकड़ों साल पुरानी पर ही प्रहार कर दिया जिससे पूरी दुनिया के कृष्ण प्रेमी श्रद्धालुओं में रोष फैल गया है। जानकारी के अनुसार जगमोहन (गर्भ गृह चबूतरा) में प्रवेश पर उच्चाधिकार प्रबंधन समिति की रोक के निर्णय के बाद शनिवार को सैंकड़ों साल बाद पहली बार मंदिर में देहरी पूजन नहीं हो सका। समिति ने जगमोहन का गेट बंदकर उस पर चढ़ने पर भी रोक लगा दी जिसका सेवायतों ने इसका कड़ा विरोध किया। प्रबंधन समिति के चार में से दो सेवायत भी विरोध में शामिल रहे। सेवायतों का कहना है कि समिति का काम व्यवस्था बनना है, न कि व्यवस्था रोकना। देहरी पूजन एक पुरानी परंपरा है। इस पर रोक लगाकर धार्मिक कार्यकलापों से छेड़छाड़ की जा रही है। मंदिर में विरोध करने के बाद सेवायतों ने जिलाधिकारी से मिलकर अपनी बात रखी। मंदिर की व्यवस्थाओं की देखरेख के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित उच्चाधिकार प्रबंधन समिति ने भीड़ नियंत्रण के लिए गुरुवार को जगमोहन क्षेत्र में प्रवेश बंद करने का निर्णय लिया। रात ही जगमोहन के आसपास बैरिकेडिंग लगा दी गई।

जगमोहन के सामने वीआइपी कटघरा पांच गुणा बढ़ा दिया गया। जगमोहन में ही देहरी पूजन किया जाता है। यह परंपरा काफी पुरानी है। शनिवार सुबह पौने नौ बजे जब सेवायत यजमानों को लेकर पहुंचे तो उन्हें जगमोहन पर चढ़ने से रोक दिया गया। इसका सेवायतों ने जमकर विरोध किया। मंदिर के मुख्य सेवायत अनंत गोस्वामी के अलावा संयम गोस्वामी, शैलेंद्र गोस्वामी, श्रीवर्धन गोस्वामी, बब्बू गोस्वामी आदि ने एक स्वर में कहा कि यह मंदिर की मूल सेवा पद्धति से छेड़छाड़ है।

कोर्ट की शरण में जाने को तैयार गोस्वामी समुदाय

मंदिर में 20 मिनट विरोध जताने के बाद सेवायत डीएम में मिलने मथुरा पहुंचे। डीएम ने सेवायतों का अहित न होने देने का भरोसा दिया। सेवायतों का कहना है कि यदि व्यवस्था बहाल नहीं हुई तो उन्हें कोर्ट की शरण लेनी पड़ेगी। अनंत गोस्वामी व विजय कृष्ण गोस्वामी ने आशंका जताई कि लगता नहीं कि देहरी पूजन परंपरा दोबारा चालू हो सकेगी। श्रीवर्धन गोस्वामी ने कहा कि सेवायत किसी भी सही व्यवस्था का समर्थन करते हैं, लेकिन यह निर्णय अधिकार समाप्त करने वाला लगता है।

समिति के सदस्य दिनेश गोस्वामी का कहना है कि व्यवस्था ऐसी हो, जिससे श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन हो सके। वीआइपी कटघरे का आकार बढ़ा है तो वीआइपी पर्ची सुविधा बहाल की जानी चाहिए, ताकि भीड़ संतुलित रहे। बैरिकेडिंग लगने से पुरुष महिला दोनों कटघरे खत्म हो गए हैं। भीड़ को रोका नहीं गया और मंदिर के अंदर जगह कम होने के कारण शनिवार को धक्कामुक्की की स्थिति बन गई। जिलाधिकारी सीपी सिंह का कहना है कि उच्चाधिकार प्रबंधन समिति ने जो नई व्यवस्थाएं लागू की हैं, उन पर सेवायतों ने आपत्ति जताई है। उच्चाधिकार प्रबंधन समिति श्रद्धालुओं के हित में कार्य करती रहेगी। ध्यान रखा जाएगा कि सेवायतों का भी अहित न हो।

मंदिर निर्माण के साथ ही शुरू हुई देहरी पूजन की परंपरा

सेवायतों का दावा है कि देहरी पूजन की परंपरा 1864 में मंदिर निर्माण के साथ ही शुरू हो गई थी। शुरूआत में सेवायत परिवारों की वृद्ध माताएं ही देहरी पूजन करती थीं। बाद में सेवायत के यजमान भी करने लगे। वरिष्ठ सेवायत चुन्नीलाल, श्रीगोपाल गोस्वामी ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया। भक्तों की संख्या बढ़ने के साथ पिछले पांच-छह दशक में यह परंपरा काफी लोकप्रिय हो गई। इस परंपरा ही एक कड़ी स्वामी हरिदास से भी जुड़ती है। स्वामी हरिदास के समय में अकबर द्वारा लाया गया इत्र भी ठाकुरजी की देहरी पर अर्पित कराया गया था।

सेवायत बोले-बिहारीजी के दर्शन दूर से नहीं होने चाहिए भक्त

देहरी पूजन रोकना वृंदावन मंदिर की परंपरा पर सबसे बड़ा प्रहार है और हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। रस्से और बैरिकेडिंग से भक्तों को दूर करना गलत व्यवस्था है। समिति चाहे तो दर्शन बंद करा दे, लेकिन परंपरा नहीं रुकने देंगे।

मनोज कुमार गोस्वामी

कमेटी मंदिर के अंदर अव्यवस्था फैला रही है। अब महिलाएं और पुरुष एक जगह कर दिए। पानी-शौचालय की व्यवस्था शून्य, टोकन दर्शन हैं नहीं। बागेश्वर पीठाधीश्वर को दर्शन न करा पाने का दोष सेवायतों पर क्यों रखा जा रहा है। यह शासन-प्रशासन और समिति की जिम्मेदारी थी। देहरी पूजन रोकना भक्त और परंपरा दोनों का अपमान है।

अनंत गोस्वामी

उच्च प्रबंधन समिति की बैठक में महिलाओं के सामने मयार्दा भंग हुई, लेकिन किसी ने पर कार्रवाई नहीं हुई.. न चेतावनी, न लिखित नोटिस । समिति कुछ लोगों को कि इतनी छूट क्यों दे रही है कि वे ऊट- ओं पटांग बोलकर भी बच जाते हैं। समिति की बैठक में मयार्दा और अनुशासन नहीं बरे बचा तो फिर कहां बचेगा।

संयम गोस्वामी

आम श्रद्धालु पहले पास से दर्शन करता था, अब 25 फीट दूर से कर रहा है। शृंगार और भावनाएं दोनों धुंधली हो रहीं । वीआइपी सुविधा बढ़ाई गई, लेकिन मंदिर की आय और भक्तों की सुविधा घट गई। यह व्यवस्था न व्यावहारिक है न न्यायसंगत ।

नितिन सांवरिया गोस्वामी

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक, राजेंद्र कुमार के द्वारा नारैन प्रिंटिंग प्रेस कश्मीरी बाजार होशियारपुर पंजा से छपवाकर, शंकर नगर नजदीर रेलवे स्टेशन होशियारपुर से प्रकाशित किया। सम्पादक राजेंद्र कुमार

रयात-बाहरा प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह (फेज-2) का सफल आयोजन

जनगाथा न्यूज/होशियारपुरों रविंदर

रयात-बाहरा प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, होशियारपुर की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह (फेज-2) का भव्य आयोजन मुकेरियां में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन दसूहा रीजन टीम द्वारा किया गया। समारोह का संचालन चांसलर गुरविंदर सिंह बाहरा के मार्गदर्शन तथा वाइस चांसलर डॉ. चंद्र मोहन के नेतृत्व में हुआ। मुकेरियां, गरदीवाला, हरियाणा, दसूहा, तलवाड़ा और गुरदासपुर क्षेत्रों से 125 प्रिंसिपल, एकेडमी ओनर्स और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के शिक्षक कार्यक्रम में पहुंचे। इस मौके गुरप्रीत सिंह बेदी और हरिंदर सिंह जसवाल द्वारा आए हुए सभी मेहमानों का स्वागत किया गया। वाइस चांसलर डॉ. चंद्र मोहन ने रयात-बाहरा प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की प्रमुख उपलब्धियों, विजन और शिक्षा में उत्कृष्टता को सम्मानित करने की पहल के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। विशेष अतिथियों के

अनुभव साझा सत्र ने समारोह को और प्रेरणादायक बनाया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों और प्रिंसिपलों को सम्मानित किया गया। मंच संचालन रमनदीप द्वारा किया गया।

समारोह के अंत में गुरप्रीत सिंह बेदी और हरिंदर सिंह जसवाल ने सभी गणमान्यों, प्रिंसिपलों और शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। इस मौके यूनिवर्सिटी की एडमिशन एवं मार्केटिंग टीम के अलावा क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

लैमरिन टेक स्किल्स यूनिवर्सिटी में स्टेट लेवल युवा आपदा मित्र योजना ट्रेनिंग प्रोग्राम सम्पन्न

जनगाथा न्यूज/रोपड़

युवा आपदा मित्र योजना ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत 7 दिन का स्टेट लेवल ट्रेनिंग प्रोग्राम लैमरिन टेक स्किल्स यूनिवर्सिटी, पंजाब में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम को नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी, भारत सरकार तथा पंजाब स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने स्पॉन्सर किया, जबकि इसका आयोजन महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (मैगसिपा), पंजाब सरकार द्वारा किया गया।

आखिरी दिन की शुरूआत मैगसिपा के ट्रेनिंग ऑफिसर्स द्वारा एक इंटेंसिव प्रैक्टिकल सेशन से हुई। ट्रेनीज ने इमरजेंसी रिस्पॉन्स, रेस्क्यू प्रोसीजर और डिजास्टर प्रिपेयर्डनेस तकनीकों पर आधारित प्रैक्टिकल डेमोंस्ट्रेशन में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। इस प्रैक्टिकल एक्सपोजर ने छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाया और उन्हें डिजास्टर मैनेजमेंट स्किल्स के वास्तविक अनुप्रयोग को समझने का अवसर मिला। इस अवसर पर डॉ. सोहनु, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर ने ह्लमैन-मेड डिजास्टरः साइबर क्राइमह्व विषय पर एक सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

केडमिक सेशन के उपरांत वॉलंटियर्स ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसके बाद इंटरैक्टिव फीडबैक सेशन आयोजित हुआ। ट्रेनीज ने सप्ताहभर में मिली थ्योरेटिकल नॉलेज और फील्ड-बेस्ड ट्रेनिंग पर विशेष संतोष व्यक्त किया। क्लोज़िंग सेरेमनी में

लैमरिन टेक स्किल्स यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. बी.एस. सत्याल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने मैगसिपा के ट्रेनिंग ऑफिसर्स और यूनिवर्सिटी के एनएसएस कोऑर्डिनेटर की समर्पित कोशिशों की प्रशंसा की और प्रशिक्षण सत्रों के सुचारू संचालन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इसी दौरान प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए।

लैमरिन टेक स्किल्स यूनिवर्सिटी पंजाब के चांसलर निर्मल सिंह रयात ने सभी ट्रेनीज को अपना आशीर्वाद दिया और प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए ट्रेनर्स, कोऑर्डिनेटर्स, वॉलंटियर्स एवं छात्रों की सामूहिक मेहनत की सराहना की।

7-दिन के इस युवा आपदा मित्र योजना ट्रेनिंग प्रोग्राम ने प्रतिभागियों को आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक ज्ञान, व्यावहारिक कौशल और आत्मविश्वास प्रदान कर उन्हें सक्षम बनाया। प्रतिभागियों ने ठउ्रअ, रउ्रअ पंजाब, मैगसिपा और यूनिवर्सिटी का इस प्रभावी प्रशिक्षण अवसर के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर असिस्टेंट डायरेक्टर यूथ सर्विसेज एवं डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर प्रो. रतन कौर, यूनिवर्सिटी जनसंपर्क अधिकारी प्रो. नरिंदर भुंबला तथा एनएसएस वॉलंटियर्स उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ पंजाब का अभिन्न हिस्सा, उसके अधिकारों की हर कीमत पर करेंगे रक्षा : तलवाड़

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर रूपिंदर

केंद्र सरकार द्वारा चंडीगढ़ को पंजाब से पूरी तरह अलग करके उसे एक सामान्य केंद्र शासित प्रदेश के रूप में बदलने की कोशिश संविधानिक सिद्धांतों और पंजाब के अधिकारों पर सीधा हमला है। आज प्रेस को जारी बयान में शिरोमणी अकाली दल के राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार संजीव तलवाड़ ने ये बातें कही।

तलवाड़ ने कहा कि संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में लाए जा रहे 131वें संविधान संशोधन बिल के माध्यम से चंडीगढ़ पर पंजाब के वैध अधिकार को खत्म करने की यह साज़िश रची जा रही है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं

किया जा सकता।

तलवाड़ ने कहा कि समय-समय पर केंद्र सरकारों द्वारा असंवैधानिक तरीकों से चंडीगढ़ पर पंजाब के अधिकार को कमजोर करने की कोशिशें होती रही हैं। कई बार चंडीगढ़ को पंजाब से संबंधित बताने के वादे किए गए, लेकिन हर बार वे वादे तोड़कर नई बाधाएं खड़ी कर दी गईं। अब भाजपा सरकार द्वारा लाया जा रहा यह बिल पंजाब के हकों को खत्म करने के साथ-साथ राज्यों के अधिकारों को कमजोर करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

तलवाड़ ने स्पष्ट कहा कि चंडीगढ़ पंजाब का है और उसे पंजाब से अलग करने की किसी भी साज़िश को किसी भी कीमत पर मंज़ूर नहीं किया जाएगा। यह बिल केवल तकनीकी या प्रशासनिक बदलाव नहीं है, बल्कि पंजाब के अधिकारों पर सीधा डाका है। तलवाड़ ने कहा कि केंद्र सरकार की ये कोशिशें न केवल पंजाब बल्कि पूरे देश की एकता और भरोसे को नुकसान पहुंचाएंगी। उन्होंने दोहराया कि चंडीगढ़ पंजाब का अभिन्न हिस्सा है और उसके अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर आवाज बुलंद की जाएगी।

वांग्मय क्षितिज का चौथा वार्षिकोत्सव सम्पन्न, 6 पुस्तकों के लोकार्पण व काव्य गोष्ठी ने कार्यक्रम को लगाए चार चांद

जालंधर। वांग्मय क्षितिज ने 16 नवंबर 2025 को अपना वार्षिकोत्सव संस्था की संस्थापिका डा. विभा कुमरिया शर्मा के दिशा-निर्देशन व अध्यक्षता मे बड़े उत्साह से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि मंच पर मौजूद सभी सम्मानित मेहमानों को ह्लमुख्य अतिथिह्व का दर्जा दिया गया। संस्था का मानना है कि एक ही मंच पर बैठे मेहमानों को ह्लमुख्यह्व और ह्लविशिष्टह्व में बांटना उचित नहीं है। उनका स्पष्ट संदेश था अतिथि देवो भवह्व बिना भेदभाव के। कार्यक्रम में पुस्तक प्रदर्शनी, वार्षिक रिपोर्ट, पुस्तक लोकार्पण, जैसी कई गतिविधियाँ शामिल थीं। काव्य गोष्ठी, पुरस्कार वितरण ने आयोजन को और भी खास बनाया। मंच संचालन का जिम्मा किरनजीत और रीना कपूर ने बहुत सुगमता से निभाया, जबकि आभार-प्रस्तुति डॉ. तनुजा तनु ने दी। कार्यक्रम में प्रमिला अरोड़ा (सेवानिवृत्त प्रधानाचार्या, त्रिभाषीय रचनाकार व समाजसेविका (कपूरथला), जसप्रीत कौर (ब्रांच मैनेजर, इंडियन बैंक, लुधियाना), डॉ.

अनिल कुमार पांडेय(प्रोफेसर, छढव; लेखक, आलोचक और प्रकाशक) डॉ. राजेश महाजन(अनुसंधान अधिकारी, भाषा विभाग, पठानकोट) बतौर मुख्यातिथि उपस्थित थे। समारोह के दौरान मुख्यातिथि प्रमिला अरोड़ा ने कहा कि वांग्मय क्षितिज भाषा के नाम पर कोई विभाजन नहीं करता। हिंदी संस्था होने के बावजूद यह समूह अन्य भाषाओं का सम्मान करता है, जिससे रचनाकारों का ज्ञान बढ़ता है। उन्होंने मंच संचालन और साहित्यिक विविधता की खूब सराहना की। जसप्रीत कौर ने रचनाकारों की संवेदनशील दुनिया को सुंदर बताया। उन्होंने कहा कि इस मंच ने साहित्य में जागरूकता की एक मधुर लहर जगाई है।

डॉ. राजेश महाजन ने कहा वांग्मय क्षितिज हर दो महीने में गोष्ठी कराता है, जो आसान नहीं है। यह संस्था साहित्य को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने का काम कर रही है। डॉ. अनिल कुमार पांडेय ने साहित्य की जिम्मेदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाषा आज रोजगार का साधन भी बन चुकी है और साहित्य सिर्फ श्रृंगार तक सीमित नहीं होना चाहिए उसमें पीड़ा, यथार्थ और समाज की सच्चाई भी झलकनी चाहिए। उन्होंने आज के साहित्यिक लेखन पर चिंता भी जताई। यह कार्यक्रम सभी के लिए यादगार रहा। संवाद, साहित्य, सम्मान और स्वादिष्ट भोजन के साथ आयोजन का समापन हुआ।

कुलैक्टर रेट बढ़ाने का फैसला तुरंत वापिस ले पंजाब सरकार: पं. मेहता

कहा, श्री आनंदपुर साहिब की धरती को राजनीति का अखाड़ा न बनाए पंजाब सरकार

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
हैप्पी कलेर

कुलैक्टर रेट बढ़ाकर पंजाब सरकार ने जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ाने का जो तानाशाही फैसला लिया है उसे सरकार को तुरंत वापिस लेना चाहिए। क्योकि, कुलैक्टर रेट में 25 फीसदी की बढ़ोतरी से जहां आम लोगों के सपने, सपने ही रह जाएंगे और प्रार्पटी के कारोबार पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यह बात पूर्व पार्षद पंडित विक्रम मेहता ने कुलैक्टर रेट बढ़ाए

जाने की सख्त शब्दों में निंदा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने आम आदमी का जीना मुहाल कर दिया है तथा दिखावे की यह सरकार पूरी तरह से फेल साबित हो रही है। श्री मेहता ने कहा कि श्री आनंदपुर साहिब में एक दिन का सत्र लगाने के लिए अरबों रुपयों का बोझ भी जनता पर ही पड़ेगा। अगर इन्हें गुरु जी के चरणों में सैशन लगा ही था तो खुले पंडाल में बैठकर पंजाब के हित में गुरु चरणों में फैसले लेते। लेकिन इश्तिहारों और पोस्टर वार ने पंजाब सरकार की वुद्धि को पूरी तरह से दिखावे के चश्मे से ढक दिया है। उन्होंने कहा कि श्री आनंदपुर साहिब की पावन धरती पर इतना बड़ा ढोंग करने वाली इस आम आदमी पार्टी को पंजाब की जनता कभी माफ नहीं करेगी। श्री मेहता ने कहा कि पंजाब सरकार को बढ़ाए गए कुलैक्टर रेट का फैसला रद्द करना चाहिए और श्री आनंदपुर साहिब की पावन धरती को राजनीतिक का अखाड़ा बनाने से बचना चाहिए।

दो साल में 5 डॉक्टरों ने मिलकर जुटाए थे 26 लाख रुपये, कई शहरों को थी दहलाने की साजिश; दिल्ली ब्लास्ट में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली । व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल मामले के मुख्य आरोपी मुजम्मिल गनी ने ठक्अ की पूछताछ में कई अहम बातें बताई हैं। उसके अनुसार, 5 डॉक्टरों ने मिलकर 26 लाख रुपये जुटाए थे, ताकि देश के कई शहरों में एक साथ बड़े हमले किए जा सकें। यह नेटवर्क करीब दो साल से विस्फोटक सामग्री और रिमोट ट्रिगर डिवाइस इकट्ठा करता रहा। अधिकारियों ने बताया कि गनी ने खुद 5 लाख रुपये दिए, आदिल अहमद राथर ने 8 लाख, उसके भाई मुजफ्फर राथर ने 6 लाख, शाहीन शाहिद ने 5 लाख और डॉ. उमर उन-नबी ने 2 लाख रुपये दिए। सारी रकम उमर को दी गई थी, जिससे संकेत मिलता है कि मुख्य जिम्मेदारी उसी के पास थी। गनी ने स्वीकार किया कि उसने गुरुग्राम और नूह से 3 लाख रुपये में 26 क्विंटल ठढङ खाद खरीदी थी। अधिकारियों के अनुसार, गनी की भूमिका सामग्री इकट्ठा करने की थी,

जबकि उमर इस खाद को विस्फोटक में बदलने और रिमोट डेटोनेटर तैयार करने का काम देख रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि बड़ी मात्रा में अमोनियम नाइट्रेट और यूरिया भी जमा किया गया था। हमले से जुड़े कामों को स्पष्ट रूप से बांटा गया था, तकनीकी हिस्से की जिम्मेदारी उमर पर थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक तीन डॉक्टर–मुजम्मिल गनी, शाहीन शाहिद और आदिल राथर–गिरफ्तार हो चुके हैं। आदिल का भाई मुजफ्फर राथर अफगानिस्तान में होने की आशंका है। अल-फलाह मेडिकल कॉलेज में काम करने वाले निसार उल-हसन की तलाश जारी है। जांचकताओं का मानना है कि 10 नवंबर को लाल किले के पास कार में रखे विस्फोटकों को भी उमर ने ही सक्रिय किया था। ठक्अ अधिकारियों का कहना है कि आरोपी का बयान बिखरे हुए सुरागों को जोड़ने में अहम साबित हुआ।

युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर का हुआ सफल समापन

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर, रूपिंदर

ज़िला होशियारपुर स्थित फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट में पिछले कई दिनों से चल रहे युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में एनएसएस के 250 वालंटियर्स ने भाग लिया, जिन्हें विभिन्न प्रकार की आपदाओं से निपटने की बुनियादी एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। समापन समारोह के दौरान प्रशिक्षक प्रीति देवी ने वालंटियर्स को सोके (एसओएके) विषय पर विस्तृत जानकारी दी, वहीं प्रशिक्षक शाइना ने सीबीआरएन आपदाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। प्रशिक्षकों ने आपदा स्थितियों में त्वरित, सुरक्षित एवं व्यवस्थित प्रतिक्रिया देने की तकनीकों पर भी विशेष जोर दिया। समारोह में वालंटियर्स को प्रमाणपत्र वितरित किए गए तथा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों की तालियां बटोरीं। कोऑर्डिनेटर अंकुर शर्मा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वालंटियर्स को मैगसीपा की ओर से सम्मानित किया। इस मौके पर शुभम वर्मा, सचिन शर्मा, सलोनी शर्मा, अमन ठाकुर, शिव मूर्ति, आयुष सहित मैगसीपा टीम के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। वालंटियर्स ने कैंप के समापन पर अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सात दिनों के प्रशिक्षण ने उनके आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि की है तथा आपदा प्रबंधन के प्रति उनकी समझ को और मजबूत किया है।

विधायक जिम्पा के प्रयासों से उषा मार्टिन की ओर से मिशन चढ़दी कला के लिए 5 लाख रुपए का योगदान

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
रविंदर

विधायक ब्रम शंकर ज़िम्पा ने बताया कि समाजिक सरोकारों को मजबूती देते हुए आज एक महत्वपूर्ण योगदान ह्लमिशन चढ़दी कलाह्व के लिए प्राप्त हुआ है। विधायक ज़िम्पा के प्रयासों से जतिंदर वालिया, एस.के. चड्ढा और गिरीश वालिया (उषा मार्टिन कंपनी) की ओर से डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन को 5 लाख रुपए का चेक भेंट किया गया। यह राशि मिशन चढ़दी कला के तहत जन-कल्याण कार्यों को और प्रभावी बनाने में सहायक होगी। विधायक ज़िम्पा ने इस योगदान को समाज के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र और सामाजिक संस्थाओं का इस प्रकार आगे आना जिले के विकास को नई गति

प्रदान करता है। उन्होंने उषा मार्टिन कंपनी के प्रतिनिधियों जतिंदर वालिया, एस.के. चड्ढा और गिरीश वालिया का विशेष धन्यवाद करते हुए कहा कि उनका यह सहयोग जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विधायक ज़िम्पा ने कहा कि जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के संयुक्त प्रयासों से ह्लमिशन चढ़दी कलाह्व लगातार बेहतर परिणाम दे रहा है और भविष्य में भी समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से इस मिशन को और व्यापक बनाया जाएगा। विधायक ने सभी सहयोगी सज्जनों और प्रशासनिक टीम को इस नेक पहल के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में प्रेरणादायी हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (सामान्य) अमरबीर कौर भुल्लर, सहायक कमिश्नर परमप्रीत सिंह, कुलविंदर सिंह हुंदल और संजय शर्मा भी उपस्थित थे।

फसलों को जानवरों से हुए नुकसान का मुआवजा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा की गई प्रशंसनीय पहल : तीक्ष्ण सूद

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
रविंदर

पूर्व कैबिनेट मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता तीक्ष्ण सूद द्वारा जारी प्रेस नोट में कहा गया हैं कि केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के दायरे को अब विस्तरित करके उस में बाढ़ तथा जंगली जानवरों से फसलों को होने वाले नुकसान को भी शामिल कर लिया गया हैं। इस से अब बाढ़ तथा जानवरो से फसलों को किये गए नुकसान की भरपाई इस बीमा योजना के अंतर्गत संभव हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कंडी क्षेत्र के किसानो की सबसे बड़ी समस्या फसलों को जानवरो द्वारा किये गए नुकसान की भुगतनी पड़ती थी तथा बतौर बन तथा जंगली जीव मंत्री जब भी उनका कंडी के लोगो से मिलना होता था तो उनकी मांग जंगली जीवों से हुए नुकसान की पूर्ती की रहती थी। उन्हों ने कहा कि केंद्र सरकार से समक्ष बहुत बार उन के द्वारा यह मामला उठा कर उसे कुदरती आफत के दायरे में लाने की प्रार्थना की थी, जिसका असर अब देखने को मिला। बाढ़ के समय भी किसान मुआबजे के लिए सरकारों का मुँह देखते रहते थे परन्तु

राहत की बजाए बाढ़ पर भी अब जम कर राजनीति शुरू हो चुकी हैं, जिससे किसानों में काफी निराशा की स्थिति हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसानों के लिए सबसे दुखद पहलु यह हैं कि पंजाब सरकार अभी तक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को अपना नहीं रही हैं, जिससे पंजाब के किसानो को फसलों के विभिन्न कारणों से हो रहे नुकसान को झेलना पड़ता हैं , परन्तु उन्हें मुआबजा नहीं मिलता हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जारी बाढ़ तथा जंगली जानवरों से हुए फसलों के नुकसान की भरपाई किसानो तक पहुंचाने के लिए पंजाब सरकार जल्दी से जल्दी पंजाब में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लागू करें। जिससे इस योजना का लाभ पंजाब के किसानों को भी हो सके व कंडी क्षेत्र के लोगों की लम्बे समय से चली आ रही मांग पूरी हो सके।

विधायक जिम्पा ने 44 गांवों के विकास कार्यों हेतु 8.30 करोड़ रुपए के सैंक्शन लेटर वितरित किए

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
रूपिंदर

विधायक ब्रम शंकर जिम्पा ने आज एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति प्रदान करते हुए लगभग 44 गांवों के विकास कार्यों हेतु कुल 8.30 करोड़ रुपए के सैंक्शन लेटर वितरित किए। इस बैठक में ब्लॉक-1 और ब्लॉक-2 के बीडीओ सहित संबंधित विभागों का पूरा स्टाफ मौजूद रहा। इसके साथ ही बड़ी संख्या में सरपंच और पंच भी उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक जिम्पा ने कहा कि पंजाब सरकार गांवों के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सैंक्शन किए गए इन विकास कार्यों में सड़कों, गलियों, ड्रेनेज सिस्टम, सामुदायिक भवनों और पेयजल से संबंधित विभिन्न प्रोजेक्ट शामिल हैं, जो ग्रामीण जनता के जीवन स्तर में सुधार लाने में अहम भूमिका निभाएंगे। विधायक ने यह भी घोषणा की कि क्षेत्र के लगभग 30 गांवों में आधुनिक स्पोर्ट्स पार्क विकसित किए जाएंगे, जिनमें ओपन जिम, वॉलीबॉल व कबड्डी ग्राउंड, रनिंग ट्रैक और युवाओं के लिए अन्य खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि खेल-कूद से युवा पीढ़ी में अनुशासन और स्वास्थ्य दोनों का विकास होता है, इसलिए सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दे रही है। जिम्पा ने उपस्थित सरपंचों से अपील की कि वे विकास कार्यों को पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ पूरा करवाएं, ताकि स्वीकृत राशि का अधिकतम लाभ आम ग्रामीणों तक पहुंच सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव सहायता जारी रहेगी।

वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का एलान

केएल राहुल बने कप्तान, ऋतुराज गायकवाड़ को मिली जगह

साउथअफ्रीका के खिलाफ खेली जाने वाली तीन मैचों की वनडेसीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का एलान हो गया है। शुभमन गिल इस सीरीज में नहीं खेलेंगे।

उनकी जगह केएल राहुल को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। गिल को कोलकाता में साउथअफ्रीका के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट मैच में गर्दन में चोट लग गई थी।

गिल दूसरे टेस्ट में भी नहीं खेल रहे हैं और तभी से माना जा रहा था कि वह वनडेसीरीज में भी नहीं खेलेंगे। गिल को रिकवर होने में समय लगेगा। वह इस समय मुंबई में अपना ईलाज करा रहे हैं।

गायकवाड़ को मिली जगह

गिल की कप्तानी तो केएल राहुल को मिली है। वहीं बतौर बल्लेबाज उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर ऋतुराज गायकवाड़ को शामिल किया गया है।

दूसरे विकेटकीपर के तौर पर ध्रुव जुरेल को टीम में जगह मिली है। जसप्रीतबुमराह और मोहम्मद सिराज को भी टीम में जगह नहीं मिली है। टीम मैनेजमेंट ने उन्हें आराम करने का फैसला किया है।

टीम ने अक्षर पटेल को बाहर किया जो ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम का हिस्सा थे। उनकी जगह रवींद्रजडेजा की टीम में वापसी हुई है। वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीसरे वनडे में चोटिल होने वाले श्रेयसअय्यर भी टीम में नहीं हैं। उनको भी ठीक होने में अभी समय लगेगा। उनकी जगह एशिया कप के हीरो तिलक वर्मा को टीम में चुना गया है।

ऐसा है शेड्यूल

वनडेसीरीज का पहला मैच रविवार 30 नवंबर को रांची में खेला जाएगा। तीन दिसंबर को रायपुर दूसरे मैच की मेजबानी करेगा। तीसरा वनडेविशाखापट्टनम में शनिवार छह दिसंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच टी 20 सीरीज खेली जाएगी।

वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया : केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्रजडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, ऋतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को क्यों नहीं मिली वनडे सीरीज में जगह? उठ रहे सवाल

साउथअफ्रीका के खिलाफ खेली जाने वाली तीन मैचों की वनडेसीरीज के लिए रविवार को भारतीय क्रिकेट टीम का एलान हो गया है। जैसी उम्मीद की जा रही थी ठीक वैसा ही हुआ और शुभमन गिल को टीम में जगह नहीं मिली। गिल का न चुने जाने का कारण उनकी गर्दन की चोटे है। हालांकि, टीम में जसप्रीतबुमराह और मोहम्मद सिराज का भी नाम नहीं है।

गिल को कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच में बल्लेबाजी करते हुए गर्दन में चोट लग गई थी। उनका इस समय मुंबई में ईलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। इसी कारण गिल को वनडे टीम में नहीं चुना गया। लेकिन बुमराह और सिराज को बाहर किए जाने का कारण बताया नहीं गया है।

ये है वजह

ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों को आराम दिया गया। वनडेसीरीज के बाद भारत को साउथअफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज भी खेलनी है। ये सीरीज पांच मैचों की होगी। भारत में अगले साल टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन किया जाना है और उसे देखते हुए टीम के खिलाड़ियों को इस फॉर्मेट में रमने की जरूरत है। सेलेक्टर्सबुमराह और सिराज दोनों को टी20 सीरीज के लिए पूरी तरह से तरोताजा रखना चाहते हैं और संभवत: इसी कारण दोनों को आराम दिया गया। दोनों इस समय गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम का हिस्सा हैं। टेस्ट सीरीज में खिलाड़ियों को काफी मेहनत करनी होती है। बीसीसीआई वैसे भी खिलाड़ियों के वर्कलोडमैनेजमेंट को लेकर काफी चौकस है। इसलिए दोनों के वर्कलोड को मैनेज करते हुए आराम दिया गया होगा।

दूसरे दिन के पहले सेशन में साउथ अफ्रीका का दबदबा, विकेट को तरसी टीम इंडिया

साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में जारी दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शानदार शुरुआत की है। पहले सेशन में साउथ अफ्रीकी टीम ने एक भी विकेट नहीं गंवाया। मेहमान टीम ने 111 ओवरों के खेल तक 6 विकेट खोकर 316 रन लिए हैं। मुकाबले के पहले दिन शुरुआती दो सेशन में शानदार बल्लेबाजी के बाद साउथ अफ्रीका ने तीसरे सेशन में 4 विकेट गंवाए थे। पहले दिन की समाप्ति तक साउथ अफ्रीका का स्कोर 247/6 था। भारतीय फैंस को उम्मीद थी कि तीसरे सेशन में जिस तरह गेंदबाजों ने शानदार वापसी की, उसी तरह दूसरे दिन के पहले सेशन में भी गेंदबाजी होगी, लेकिन ऐसा न हो सका।

सेनुरन मुथुसामी और काइल वेरेन ने सातवें विकेट के लिए 179 गेंदों में 70 रन जोड़कर साउथ अफ्रीका को संकट से बाहर निकाल

लिया है। दूसरे दिन के पहले सेशन तक मुथुसामी 131 गेंदों में 6 चौकों के साथ 56 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि वेरेन 94 गेंदों में 4 चौकों के साथ 38 रन बना चुके हैं। गुवाहाटी में जारी इस मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम को एडेन मार्करम और रयान रिकेल्टन ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 26.5 ओवरों में 82 रन बनाए। मार्करम 38 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रिकेल्टन ने 35 रन की पारी खेली।

टीम ने 82 के स्कोर पर अपने सलामी बल्लेबाजों का विकेट गंवा दिया था। यहां से ट्रिस्टन स्टब्स ने कप्तान टेंबा बावुमा के साथ तीसरे विकेट के लिए 84 रन जोड़ते हुए टीम को 150 के पार पहुंचाया। बावुमा 41 रन बनाकर आउट हुए, जबकि स्टब्स ने 49 रन की पारी खेली। पहले दिन के तीसरे सेशन तक साउथ अफ्रीका ने 246 के स्कोर पर अपने 6 विकेट गंवा दिए थे। यहां से मुथुसामी और वेरेन ने पारी को संभालने का काम किया। भारत की तरफ से कुलदीप यादव ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा ने 1-1 विकेट निकाला है। साउथ अफ्रीका ने कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच को 30 रन से अपने नाम किया था। ऐसे में भारतीय टीम की निगाहें गुवाहाटी टेस्ट को जीतकर सीरीज 1-1 से बराबरी पर खत्म करने पर हैं।

भारत की महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास, नेपाल को हराकर जीता पहला वर्ल्ड कप खिताब

नई दिल्ली : भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने कोलंबो में इतिहास रच दिया। शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम इंडिया ने नेपाल को फाइनल मुकाबले में 7 विकेट से पराजित कर पहला वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम कर लिया। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपराजेय रही और एक भी मैच न हारते हुए अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन का लोहा मनवाया।

फाइनल में भारत ने टॉस जीतकर नेपाल को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया। नेपाल ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 114 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने लक्ष्य को महज 12.1 ओवर में, यानी 47 गेंद शेष रहते, हासिल कर लिया। भारत की तरफ से खुलाशरी ने 27 गेंदों में नाबाद 44 रन ठोकते हुए टीम

की जीत में निर्णायक योगदान दिया।

इस जीत ने भारतीय महिला क्रिकेट के उभरते वर्चस्व को और मजबूत कर दिया है। ठीक 20 दिन पहले मुंबई में भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराते हुए नए युग की शुरुआत की थी, और अब महज़ तीन हफ्तों के भीतर भारतीय महिला ब्लाइंड टीम ने भी विश्व स्तर पर स्वर्णिम इतिहास रच दिया। यह जीत ब्लाइंड क्रिकेट के क्षेत्र में भारतीय महिलाओं की नई ताकत, नए आत्मविश्वास और नई दिशा का प्रतीक बनकर उभरी है।

कब है मार्गशीर्ष पूर्णिमा ?

अभी नोट करें तिथि और शुभ मुहूर्त

सनातन धर्म में पूर्णिमा तिथि का खास महत्व है। मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने का विधान है। साथ ही पवित्र नदी में स्नान और दान भी किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन पूजा और दान करने से धन लाभ के योग बनते हैं और जीवन में खुशियों का आगमन होता है। ऐसे में आइए इस आर्टिकल में जानते है कि मार्गशीर्ष पूर्णिमा की तिथि, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा 2025 डेट और टाइम

वैदिक पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 04 दिसंबर को सुबह 08 बजकर 37 मिनट पर हो रही है। वहीं, इस तिथि का समापन 05 दिसंबर को 04 बजकर 43 मिनट पर होगा। ऐसे में 04 दिसंबर को मार्गशीर्ष पूर्णिमा का पर्व मनाया जाएगा।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा पूजा विधि

इस दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्पित करें। इसके बाद घर और मंदिर की साफ-सफाई करें। अब चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की प्रतिमा को विराजमान करें।

इसके बाद श्रीहरि को चंदन, फूलमाला चढ़ाएं और मां लक्ष्मी को सोलह श्रृंगार की चीजें अर्पित करें। इसके बाद देसी घी का दीपक जलाएं। सच्चे मन से आरती करें। विष्णु चालीसा का पाठ और मंत्रों का जप करें। फल और मिठाई का भोग लगाएं। प्रभु से जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा के नियम

धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां लक्ष्मी का वास साफ-सफाई वाली जगह पर होता है। इसलिए पूर्णिमा के दिन घर और मंदिर की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। ऐसा माना जाता है कि घर में देवी लक्ष्मी के वास से आर्थिक तंगी दूर होती है और परिवार के सदस्यों को मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होगी। इसके अलावा काले रंग के कपड़े धारण न करें। किसी से वाद-विवाद न करें और किसी के बारे में मन में गलत न सोचें।

जरूर करें ये उपाय

चंद्र मजबूत करने के लिए पूर्णिमा के दिन जल में सफेद फूल डालकर चंद्र देव को अर्पित करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से चंद्र देव की कृपा से मानसिक तनाव से छुटकारा मिलता है। साथ ही शुभ फल की प्राप्ति होती है। पूर्णिमा के दिन दान करने का विशेष महत्व है। इस दिन पूजा-अर्चना करने के बाद मंदिर या गरीब लोगों में अन्न और कपड़े समेत आदि चीजों का दान करना चाहिए। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन दान करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और साधक को जीवन में कोई कमी नहीं होती है।

वास्तु की मदद से इस तरह बढ़ाएं घर में पॉजिटिविटी, सुख-शांति का बना रहेगा माहौल

घर में छोटे-छोटे वास्तु टिप्स अपनाने से आपको बड़े-बड़े फायदे देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको वास्तु के कुछ ऐसे टिप्स (Vastu Tips For positivity) बताने जा रहे हैं, जो घर में पॉजिटिविट एनर्जी को बनाए रखने और नेगेटिविटी को दूर रखने में आपकी मदद कर सकते हैं। चलिए जानते हैं इस बारे में।

इन तरीकों से दूर होगी नकारात्मकता

घर में यदि नेगेटिव एनर्जी बढ़ गई है, तो ऐसे में आप घर में नमक का पोछा जरूर लगाएं। इसके लिए पानी लेकर उसमें थोड़ा-सा नमक डालें और पूरे घर में इसका पौधा लगाएं। ऐसा करने से आपको काफी हद तक नेगेटिव एनर्जी से छुटकारा मिल सकता है। इसके साथ ही सुबह के समय घर की खिड़कियां व दरवाजे खुले रखने चाहिए और शौचालय का दरवाजा हमेशा बंद रखें।

फिटकरी से जुड़े उपाय

नेगेटिव एनर्जी से छुटकारा पाने के लिए फिटकरी को एक कांच की कटोरी में फिटकरी का टुकड़ा रखें और इसे बाथरूम के किसी कोने में रख दें। ऐसा करने से आपको नकारात्कता से राहत मिल सकती है, क्योंकि फिटकरी नेगेटिव एनर्जी को सोख लेती है, जिससे वातावरण शुद्ध बना रहता है।

हर 10-15 दिनों के अंदर इस फिटकरी को बदलते रहें और पुरानी फिटकरी को नमक के पानी में डाल दें।

रखें इन बातों का खास ख्याल

वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको घर के मुख्य द्वार पर विशेष रूप से साफ-सफाई का ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि यही से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। इसके साथ ही घर में अव्यवस्था को दूर रखें और ऐसे सामान को घर में न रखें जिसकी जरूरत न हो।

इन बातों का ध्यान रखने से घर में पॉजिटिविटी बनी रहती है। इसके अलावा आप घर में धूप और कपूर जलाकर भी नेटेटिविटी से छुटकारा पा सकते हैं।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान में साप्ताहिक सत्संग सम्पन्न, गुरु-भक्ति और समर्पण का संदेश दिया गया

**जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
रविंदर**

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा स्थानीय आश्रम गौतम नगर में साप्ताहिक सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गुरुदेव सर्वश्री आशुतोष महाराज जी की प्रेरणाओं को श्रद्धालुओं के समक्ष रखा गया और उन्हें उन आदर्शों पर दृढ़ता से चलने हेतु प्रेरित किया गया।

सत्संग के दौरान साध्वी मोनिका भारती जी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि चाहे नरेंद्र को विवेकानंद बनाना हो, मुकुंद को योगानंद बनाना हो, मीरा को भक्त मीरा बाई बनाना हो या भाई लहणा को श्री गुरु अंगद देव जी के पद पर सुशोभित करना हो—इन सभी दिव्य रूपांतरणों के मूल में गुरु ही होते हैं। गुरु वह दिव्य कारीगर है जो शिष्य को परिस्थितियों, परीक्षाओं और संघर्षों की छैनी-हथौड़ी से तराशकर संवारता है, परंतु उसे टूटने नहीं देता। उन्होंने कहा कि गुरु एक मल्लाह की भांति शिष्य की जीवन-नौका को भवसागर की विकराल लहरों में भी सुरक्षित पार लगाता है। वह एक कुशल चित्रकार है जो जीवन के नीरस कैनवस पर भक्ति के रंग बिखेर देता है। गुरु वह रंगरेज है जो शिष्य के दाग-धब्बों को भक्ति के गहरे रंग में रंग देता है—ऐसा रंग जो जीवनभर नहीं उतरता। साध्वी मोनिका भारती जी ने आगे कहा कि गुरु पारस है जो शिष्य को विशुद्ध कंचन बना देता है, परंतु जैसे सोना अग्नि में तपकर ही शुद्ध होता है, वैसे ही शिष्य को भी कठिन परिस्थितियों से गुजरकर अपनी परख साबित करनी पड़ती है। गुरु वह कुम्हार है जो ह्वभीतर हाथ सहार दे, बाहर मारे चोटह्व के सिद्धांत पर चलते हुए शिष्य को अंदर से संबल देता है और बाहर से अनुशासन के माध्यम से दृढ़ बनाता है। उन्होंने कहा कि गुरु-शिष्य का पावन संबंध समर्पण की गहराई पर आधारित है। समर्पण की स्थिति प्राप्त करने के लिए शिष्य को अपने भीतर अदृश्य रण लड़ना पड़ता है—विचारों को बार-बार विषय-वासनाओं से हटाकर गुरु-चरणों में केंद्रित करना होता है। यही आंतरिक संघर्ष शिष्य के अहंकार को गलाता है और अंततः वह गुरु के साथ एकरूप होकर श्रेष्ठ व्यक्तित्व का निर्माण करता चला जाता है।

कार्यक्रम के अंत में सभी भक्तों ने सामूहिक प्रार्थना कर शांति एवं सद्भावना की कामना की।

पूर्वजों को मोक्ष दिलाने के लिए मां ने घोंटा अपने 2 बेटों का गला, ससुर को भी मारने दौड़ी तो ऐसे बची जान

नई दिल्ली

'मोक्ष' के नाम पर कोई कितना अंधविश्वासी हो सकता है, गुजरात के नवसारी से ऐसी हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने कथित रूप से अपनों बच्चों को इसलिए मार डाला क्योंकि वह अपने पूर्वजों को मोक्ष दिलवाना चाहती थी। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, नवसारी में एक महिला ने अपने दो बच्चों का मर्डर कर दिया। इसमें किसी हथियार का इस्तेमाल नहीं हुआ। महिला ने अपनो हाथों से ही बच्चों का गला घोंट दिया। आरोप के मुताबिक, महिला अपने ससुर को मारने भी दौड़ी थी लेकिन किसी तरह वो बच गए। नवसारी पुलिस के अनुसार, ये घटना गुरुवार रात को बिलिमोरा कस्बे के देसरा क्षेत्र के एक फ्लैट में हुई। आरोपी महिला मूल रूप से उत्तर प्रदेश की रहने वाली है। वह अपने पति शिवकांत, 7 और 4 साल के 2 बेटों के साथ रहती थी। सास-ससुर भी साथ में ही रहते थे। पुलिस अधिकारी बताते हैं कि आरोपी महिला को अरेस्ट गिरफ्तार कर लिया गया है। उसकी पहचान सुनीता शर्मा के तौर पर हुई है। सुनीता ने अपने ससुर को मारने का प्रयास भी किया, लेकिन किसी तरह वह घर से बाहर भाग गए और अपनी जान बचाने में सफल रहे। अधिकारियों ने आगे बताया कि टाइफाइड होने के कारण शिवकांत प्राइवेट अस्पताल में भर्ती थे। ऊ़ढ बी. वी. गोहिल ने कहा कि ससुर इंद्रपाल और उनकी पत्नी सुश्री, अपने बेटे शिवकांत को भोजन देने के लिए हॉस्पिटल गए थे। जब वे दोनों वापस लौटे तो अपने कमरे में जाकर सो गए। दूसरी तरफ, सुनीता अपने बेडरूम में थी। फिर अचानक आधी रात, सुनीता ने अपने पूर्वजों के मोक्ष के लिए किसी देवता की प्रार्थना शुरू कर दी। इसी दौरान उसने अपने दोनों बेटों का गला दबाकर उनकी हत्या कर दी।